Title: Need to render financial assistance to Madhya Pradesh Govt. for providing relief to hailstorm victims particularly of Raipur, Bilaspur
and Rewa Regions. -Laid.

SHRI MOTI LAl VORA (RAJNANDGAON) :

मध्य प्रदेश के समस्त ४५ जिलों में जनवरी, फरवरी, १९९८ में हुयी भारी वर्षा एवं ओलावृष्टि से खरीफ और रवी की फसलों को भारी नुकसान हुआ तथा उत्पादन की क्षति लगभग ५.६२ लाख टन की हुयी है जिसकी अनुमानित लागत ५३८.८४ करोड़ रूपयों की आंकी गयी है । भारी वर्षा के कारण २ लाख ५० हजार हेक्टेयर में फसल नहीं बोयी जा सकी है जिसकी अनुमानित लागत २८३ करोड़ ५० लाख की है । अकेले रवी की फसल २५ लाख हैक्टेयर में बरबाद हो चुकी है जिसकी लागत १०४७ करोड़ रूपयों की है । अक्टूबर, नवम्बर, १९९७ में अतिवृष्टि हुयी थी ।

मध्य प्रदेश शासन ने केन्द्रीय सरकार को प्रभावित जिलों में ९० लाख लोगों को मार्च, अप्रैल, मई और जून, १९९८ में रोजगार (राहत कार्य) के लिए ९४० करोड़ रूपयों का मांग पत्र भेजा है । किसानों को तकावी, बीज तथा जानवरों के लिए चारे के लिए २१०३ करोड़ ६५ लाख का मेमोरेन्डम भेजा है जिसमें से मात्र १०० करोड़ रूपयों की राशि दी गयी है । खेतिहर मजदूरों का पलायन भारी संख्या में हो रहा है । रायपुर, बिलासपुर, रीवा, जबलपुर संभाग के सभी जिले प्रभावित हुए है । केन्द्र सरकार का ध्यान पुनः आकर्षित किया गया है । स्थिति अत्यन्त विस्फोटक हो चुकी है ।